अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर माननीय अध्यक्ष का सम्बोधन

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। आज जब हम यहाँ संसद भवन में योग कर रहे हैं, तो हमारे साथ ही दुनिया के करीब 200 देश भी योग कर रहे हैं। माननीय प्रधानमंत्री जी भी आज हमारे साथ संयुक्त राष्ट्र संघ में योग कर रहे हैं। हम सम्पूर्ण विश्व के अंदर योग के माध्यम से सभी के स्वस्थ रहने की मंगल कामना करते हैं।

योग शब्द का अर्थ होता है जुड़ना। आज योग के माध्यम से भारत ने दुनिया को जोड़ने का काम किया है और इसी विचार के साथ इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम “योगा फॉर वसुधैव कुटुंबकम” रखी गई है।

योग के रूप में भारत ने दुनिया को एक अनुपम उपहार दिया है। भारत ने दुनिया को स्वस्थ तन और स्वस्थ मन की उपयोगिता बताई है।

जिस प्रकार हम कहते हैं कि भारत मदर ऑफ डेमोक्रेसी है, लोकतंत्र भारत की प्राचीन संस्कृति है, उसी तरह योग हमारी जीवन शैली और चिंतन शैली है, जिसे आज दुनिया अपना रही है।

योग ने आज समग्र स्वास्थ्य क्रांति के युग का संचार किया है जिसमें इलाज के बजाय रोकथाम पर अधिक ध्यान दिया गया है। आज के बदलते परिप्रेक्ष्य में जब हम 'इलनेस' से 'वेलनेस' की ओर जा रहे हैं, तो योग हमें इसके लिए समर्थ बना रहा है।

योग वह विद्या है, जो हमें शरीर और मन से स्वस्थ जीवन जीने की कला सिखाती है। योग हमारे जीवन दर्शन में, हमारी जीवन पद्धति में है।

योग व्यक्ति को समग्र रूप से स्वयं को रूपांतरित और विकसित करने की आध्यात्मिक विद्या है। यह हमें अपने लिए नहीं, बल्कि सबके लिए जीने का सन्देश देती है। यही कारण है कि वर्तमान में योग की लोकप्रियता एवं स्वीकार्यता बढ़ी है।

योग किसी पंथ विशेष या समूह विशेष का नहीं है, बल्कि यह समस्त मानवता की अनमोल विरासत है, योग एक स्वस्थ विश्व का आधार है। यह शारीरिक और मानसिक अनुशासन का एक संयोजन है जो शरीर को मजबूत और स्वस्थ बनाता है और जिससे मन को शांत और नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

योग का मूलमंत्र है - “योग: कर्मसु कौशलम”.... अर्थात कार्य को कुशलता से करना ही योग है। योग हमारी कार्य कुशलता व कार्यक्षमता को बढ़ाता है, हमारी कार्यशैली को बेहतर बनाता है। योग के इसी मंत्र को आज हमें अपनाने का संकल्प करना है। आप अपनी शक्तियों को अपने कर्म में केंद्रित करें, ताकि हमारे कार्यों में श्रेष्ठता आए।

'योग से सहयोग तक' की हमारी धारणा को हम आत्मसात करें। मुझे विश्वास है कि यह हमें एक नए भविष्य का मार्ग दिखाएगा और मानव कल्याण को सुनिश्चित करेगा।